Passion Reading in Hindi

प्रभु येसु का दुखभोग (Short : मत्ती 27:11-54)

C: Commentator J: Jesus CR: Crowd M: Man W: Woman

C	सन्त मत्ती के अनुसार प्रभु येसु का दुखभोग
C	येसु अब राज्यपाल के सामने खडे थे। राज्यपाल ने उन से पूछा,
M	"क्या तुम यहूदियों के राजा हो?"
C	येसु ने उत्तर दिया,
J	"आप ठीक कहते हैं"।
C	महायाजक और नेता उन पर अभियोग लगाते रहे, परन्तु येसु ने कोई उत्तर नहीं दिया। इस पर पिलातुस ने उन से कहा,
M	"क्या तुम नहीं सुनते कि ये तुम पर कितने अभियोग लगा रहे हैं?"
C	फिर भी येसु ने उत्तर में एक भी शब्द नहीं कहा। इस पर राज्यपाल को बहुत आश्चर्य हुआ। पर्व के अवसर पर राज्यपाल लोगों की इच्छानुसार एक बन्दी को रिहा किया करता था। उस समय बराब्बस नामक एक कुख्यात व्यक्ति बन्दीगृह में था। इसलिए पिलातुस ने इकट्ठे हुए लोगों से कहा,
M	"तुम लोग क्या चाहते हो? मैं तुम्हारे लिए किसे को रिहा करूँ-बराब्बस को अथवा मसीह कहलाने वाले येसु को?"
C	वह जानता था कि उन्होंने येसु को ईर्ष्या से पकड़वाया है। पिलातुल न्यायासन पर बैठा हुआ ही था कि उसकी पत्नी कहला भेजा,
W	"उस धर्मात्मा के मामले में हाथ नहीं डालना, क्योंकि उसी के कारण मुझे आज स्वप्न में बहुत कष्ट हुआ"।
C	इसी बीच महायाजकों और नेताओं ने लोगों को यह समझाया कि वे बराब्बस को छुड़ायें और येसु का सर्वनाश करें। राज्यपाल ने फिर उन से पूछा,
M	"तुम लोग क्या चाहते हो? दोनों में किसे तुम्हारे लिये रिहा करूँ?"
C	उन्होंने उत्तर दिया,
CR	"बराब्बस को"।
C	इस पर पिलातुस ने उन से कहा,
M	"तो, मैं येसु का क्या करूँ, जो मसीह कहलाते हैं?"
C	सबों ने उत्तर दिया,
CR	"इसे क्रूस दिया जाये"।
C	पिलातुस ने पूछा,
M	"क्यों? इसने कौन-सा अपराध किया है?"
C	किन्तु वे और भी जारे से चिल्ला उठे,

CR	"इसे क्रूस दिया जाये!"
C	जब पिलातुस ने देखा कि मेरी एक भी नहीं चलती, उलटे हंगामा होता जा रहा है, तो उसने पानी मँगा कर लोगों के सामने हाथ धोये और कहा,
M	"मैं इस धर्मात्मा के रक्त का दोषी नहीं हूँ। तुम लोग जानो।"
C	और सारी जनता ने उत्तर दिया,
CR	"इसका रक्त हम पर और हमारी सन्तान पर!"
C	इस पर पिलातुस ने उनके लिए बराब्बस को मुक्त कर दिया और येसु को कोडे लगवा कर क्रूस पर चढ़ाने सैनिकों के हवाले कर दिया। इसके बाद राज्यपाल के सैनिकों ने येसु को भवन के अन्दर ले जा कर उनके पास सारी पलटन एकत्र कर ली। उन्होंने उनके कपडे उतार कर उन्हें लाल चोंग़ा पहनाया, काँटों का मुकुट गूँथ कर उनके सिर पर रखा और उनके दाहिने हाथ में सरकण्डा थमा दिया। तब उनके सामने घुटने टेक कर उन्होंने यह कहते हुए उनका उपहास किया,
CR	"यहूदियों के राजा, प्रणाम।"
C	वे उन पर थूकते और सरकण्डा छीन कर उनके सिर पर मारते थे। इस प्रकार उनका उपहास करने के बाद, वे चोंग़ा उतार कर और उन्हें उनके निजी कपड़े पहना कर, क्रूस पर चढ़ाने ले चले। शहर से निकलते समय उन्हें कुरेने निवासी सिमोन मिला और उन्होंने उसे येसु का क्रूस उठा ले चलने के लिए बाध्य किया। वे उस जगह पहुँचे, जो गोलगोथा अर्थात खोपड़ी की जगह कहलाती है। वहाँ लोगों ने येसु को पित्त मिली हुई अंगूरी पीने को दी। उन्होंने उसे चख तो लिया, लेकिन उसे पीना अस्वीकार किया। उन्होंने येसु को क्रूस पर चढ़ाया और चिट्ठी डाल कर उनके कपडे बाँट लिये। इसके बाद वे उन पर पहरा बैठे। येसु के सिर के ऊपर दोषपत्र लटका दिया गया। वह इस प्रकार था- यह यहूदियों का राजा येसु है। येसु के साथ ही उन्होंने दो डाकुओं को क्रूस पर चढ़ाया- एक को उनके दायें और दूसरे को उनके बायें। उधर से आने-जाने वाले लोग येसु की निन्दा करते और सिर हिलाते हुए यह कहते थे,
CR	"हे मन्दिर ढाने वाले और तीन दिनों के अन्दर उसे फिर बना देने वाले! यदि तू ईश्वर का पुत्र है, तो क्रूस से उतर आ"।
C	इसी तरह शास्त्रियों और नेताओं के साथ महायाजक भी यह कहते हुए उनका उपहास करते थे,
CR	"इसने दूसरों को बचाया, किन्तु यह अपने को नहीं बचा सकता। यह तो इस्राएल का राजा है। अब यह क्रूस से उतरे, तो हम इस में विश्वास करेंगे। इसे ईश्वर का भरोसा था। यदि ईश्वर इस पर प्रसन्न हो, तो इसे छुड़ाये। इसने तो कहा है- मैं ईश्वर का पुत्र हूँ।"
C	जो डाकू येसु के साथ क्रूस पर चढ़ाये गये थे, वे भी इसी तरह उनका उपहास करते थे। दोपहर से तीसरे पहर तक पूरे प्रदेश पर अँधेरा छाया रहा। लगभग तीसरे पहर येसु ने

	ऊँचे स्वर से पुकारा,
J	**"एली! एली! लेमा सबाखतानी?"**
C	**इसका अर्थ है- मेरे ईश्वर! मेरे ईश्वर! तूने मुझे क्यों त्याग दिया है? यह सुन कर पास खडे लोगों में से कुछ कहते थे,**
CR	**"यह एलीयस को बुला रहा है।"**
C	**उन में से एक तुरन्त दौड़ कर पनसोख्ता ले आया और उसे खट्टी अंगूरी में डूबा कर सरकण्डे में लगा कर उसने येसु को पीने को दिया। कछ लोगों ने कहा,**
CR	**"रहने दो! देखें, एलीयस इसे बचाने आता है या नहीं"।**
C	**तब येसु ने फिर ऊँचे स्वर से पुकार कर प्राण त्याग दिये।**
	********** **मौन** **********
C	**उसी समय मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फट कर दो टुकडे हो गया, पृथ्वी काँप उठी, चट्टानें फट गयीं, कब्रें खुल गयीं और बहुत-से मृत सन्तों के शरीर पुन-जीवित हो गये। वे येसु के पुनरुत्थान के बाद कब्रों से निकले और पवित्र नगर जा कर बहुतों को दिखाई दिये। शतपति और उसके साथ येसु पर पहरा देने वाले सैनिक भूकम्प और इन सब घटनाओं को देख कर अत्यन्त भयभीत हो गये और बोल उठे,**
M	**"निश्चय ही, यह ईश्वर का पुत्र था"।**
C	**यह प्रभु का सुसमाचार है।**